राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 13 मार्च • 2023

'जैविक खादों का करें प्रयोग'

ार। जैविक खादों का प्रयोग आप और मृदा परीक्षण कर ही फसल का निर्णय लें। सीएसए के दलहन ाग द्वारा ग्राम अकवरपुरसेंग, खंड विल्हौर के एक दलहन गोष्ठी में वैज्ञानिकों ने किसानों से ाह्वान किया। इस अवसर पर

यद दलहन का उत्पादन ाने हेतु किसानों को दिया ा प्रशिक्षण

बिल्हौर : कृषि गोष्ठी में अतिथियों का स्वागत करते प्रधान कौशल तिवारी, अखिलेश अवस्थी व अन्य।

क डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को वुवाई पूर्व मृदा परीक्षण की वारीकियों : में विस्तार से जानकारी दी।

लहन वैज्ञानिक डॉक्टर एके श्रीवास्तव हन फसलों जैसे मूंग, उरद आदि की ील प्रजातियों के वारे में विस्तार से ों को वताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के वारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को जैविक खाद प्रयोग करने पर वल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोवियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ. मनोज कटियार ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रवंधन के वारे में विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों द्वारा पूछे गये विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। विश्वविद्यालय के शस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. डीडी तिवारी ने किसानों को शस्य तकनीकी के वारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान कौशल किशोर तिवारी ने अतिथियों एवं वैज्ञानिकों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य ककवन अखिलेश अवस्थी ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा वताई गई तकनीकों को अपनाएं, जिससे वह आय में वढ़ोतरी कर सकें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. खलील खान द्वारा किया गया। गोष्ठी में कृषक राधा रमण तिवारी, श्री राम फौजी, अशोक कुमार वीडीसी, प्रमोद अग्निहोत्री सहित सैकड़ों किसानों ने भाग लिया।

जायद दलहन का उत्पादन बढ़ाने हेतु किसानों को दिया प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम अकबरपुरसेंग, विकासखंड बिल्हौर में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर म वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर एके श्रीवास्तव ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ मनोज कटियार ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। विश्व विद्यालय के शस्य विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ डी डी तिवारी ने किसानों को शस्य तकनीकी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान कौशल किशोर तिवारी नए समस्त आए हुए अतिथियों एवं वैज्ञानिकों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य ककवन श्री अखिलेश अवस्थी ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृषक राधा रमण तिवारी, श्री राम फौजी, अशोक कुमार बीडीसी, श्री राम फौजी, सैय्यदद्दीन, प्रमोद अग्निहोत्री सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।